आस्ट्रेलिया की भू-भौतिक विभाग
(Physical Division of Australia)

आस्ट्रेलिया दक्षिणी महाद्वीप में अवस्थित एक छोटा सा महाद्वीप है। यह भू-आकृति विविधताओं से भरी पड़ी है। यहाँ उच्च पर्वत श्रेणियों का अभाव है। इसके दो-तिहाई भाग में मरुस्थल का विस्तार है केवल मध्यवर्ती एवं तटीय भाग में ही मैदानी भाग का विस्तार है। आस्ट्रेलिया महाद्वीप को भू-भौतिक आधार पर चार भागों में बाँटा गया है-

1) पूर्व की उच्च भूमियाँ
2) पश्चिमी पठार
3) मध्यवर्ती मैदान
4) तटीय भूमियाँ

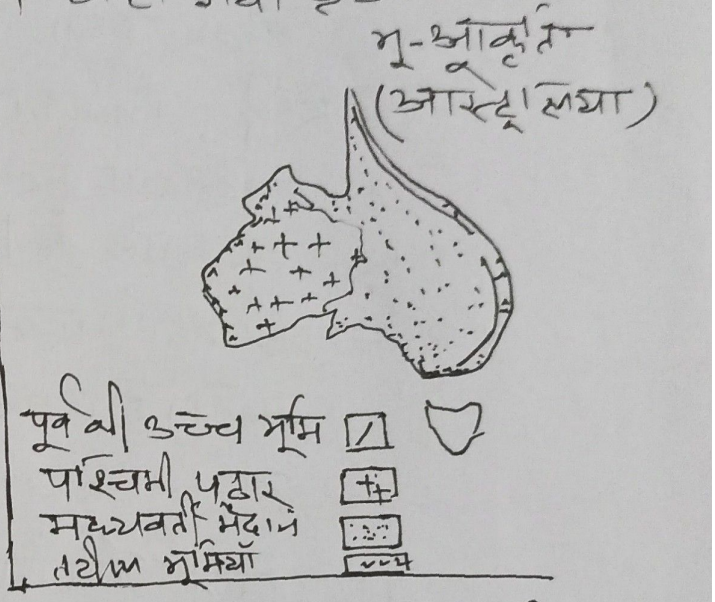

1. पूर्व की उच्च भूमियाँ —

आस्ट्रेलिया के पूर्वी भाग में पर्वतीय भाग का विस्तार है। इसका विस्तार उत्तर में यार्क प्रायद्वीप से लेकर दक्षिण में तस्मानिया द्वीप तक 4500 किमी में है। इसका निर्माण सीमांत अवसादों के भूगर्भिक हलचलों से

ऊपर उठने वाले तथा वलन एवं भ्रंशन की क्रियाओं के कारण हुआ है। इसे पर्वत श्रेणी को ग्रेट डिवाइडिंग रेंज भी कहते हैं। इसकी सर्वोच्च चोटी कोशिस्को है जिसकी

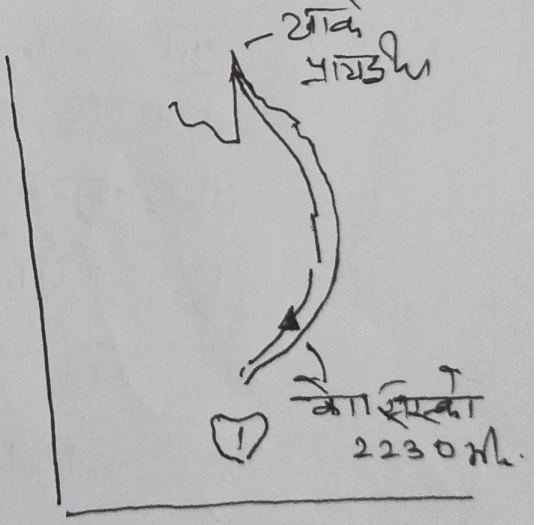

ऊँचाई 2230 मीटर है।

2. पश्चिमी पठार – आस्ट्रेलिया का यह भूभाग आधे से अधिक भाग में फैला है। यह भू-भाग भौमिकीय रचना एवं उच्चावच की दृष्टिकोण से लगभग एक सा है। यह भूभाग आग्नेय शैलों से निर्मित है। इसकी औसत ऊँचाई 150-600 मीटर के बीच है। कहीं-कहीं छोटी-छोटी पर्वत श्रेणियों का विस्तार है। उनमें मैकडोनेल श्रेणी, मेस्ग्रेव श्रेणी, हेमर्सले-आस्थालमिया मुख्य हैं। शेष पश्चिमी भाग समप्राय मैदान है। हजारों वर्षों से अपक्षय एवं अपरदन के कारण यहाँ अनेक मरुस्थलों का विस्तार हुआ है ग्रेट सैंडी, गिब्सन ग्रेट विक्टोरिया, सिम्पसन मरुस्थल हैं। इनमें सबसे बड़ा मरुस्थल ग्रेट विक्टोरिया मरुस्थल सबसे बड़ा मरुस्थल है।

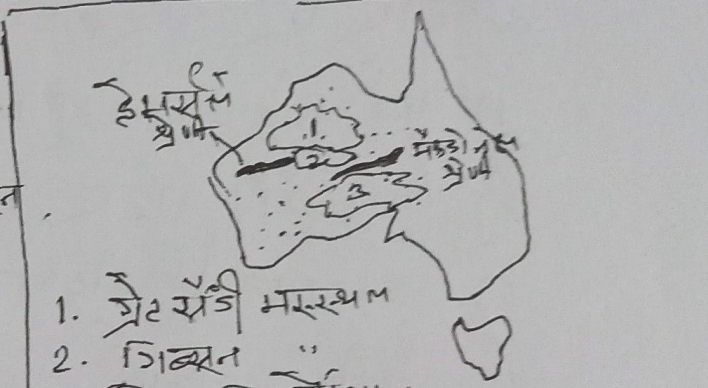

3. मध्यवर्ती मैदान – आस्ट्रेलिया का यह भू-भाग पूर्वी उच्च भूमियों एवं पश्चिमी पठार के बीच स्थित है इसलिए इसे मध्यवर्ती मैदान कहते हैं। इस मैदान को तीन प्रमुख भागों में बाँटा गया है –

1) कार्पेन्टेरिया की खाड़ी का मैदान
2) मरे डार्लिंग बेसिन
3) आयर झील प्रदेश

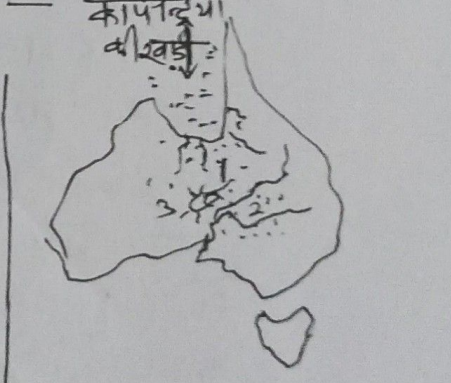

कार्पेन्टेरिया का मैदान, कार्पेन्टेरिया की खाड़ी से लगा है। यह मैदान 180 मीटर से कम ऊँचा है तथा समतल है।

यह मैदानी भाग फ्लिंडर्स पहाड़ियों को छोड़कर शेष पूर्वी एवं दक्षिणी भाग मरे-डार्लिंग मैदान में आता है। इसका अधिकांश भाग समतल तथा उपजाऊ है। इस मैदान का ढाल उ०पू० से द० प० की ओर है। इसी भाग में अनेक उत्स्रुत कूप है।

आयर झील प्रदेश एक आन्तरिक जल प्रवाह है। इस भाग की समुद्र तल से औसत ऊँचाई 150 मीटर से भी कम है। जबकि कुछ भाग की ऊँचाई समुद्र तल से भी 15 मीटर नीचे है।

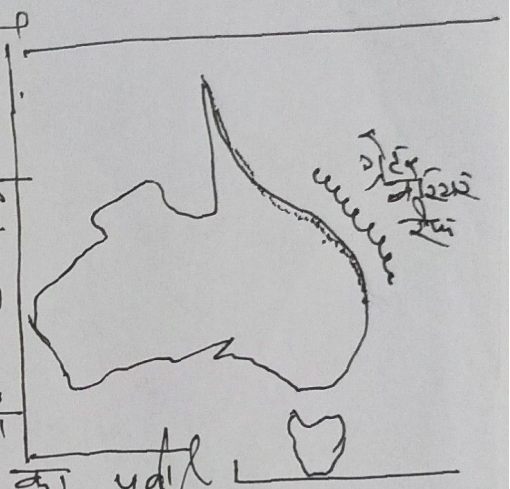

4. तटीय प्रदेश - आस्ट्रेलिया के तटीय प्रदेश अफ्रीका तथा द० अमेरिका महाद्वीप के अपेक्षा अधिक कटा-फटा है। यही कारण है कि यहाँ अनेक पत्तन एवं पोताश्रयों का विकास हुआ है। आस्ट्रेलिया का पूर्वी तट पहाड़ी नदियों द्वारा लाये गये जलोढ़ जमाव से निर्मित है। ऐसे भागों में जहाँ उन्मज्जन की क्रिया से भू-भाग पानी से ऊपर आ गया है। क्वींसलैंड के तट के समीप ही ग्रेट बैरियर रीफ है। 24° उत्तर अक्षांश से उत्तर की ओर यह लगभग 2000 कि०मी० की लम्बाई में फैला है।

जलोढ़ निर्मित उत्तरी तटीय मैदान का विस्तार 40 से 160 कि०मी० है। दक्षिण का नलबार तट उन्मज्जन क्रिया से निर्मित तथा मरे डेल्टा से आगे इसकी चौड़ाई असमान है।